॥ अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ॥

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव-४२५ ००१.

तृतीय वर्ष बी. ए. सामान्य हिंदी

[सन १९९३-९४, १९९४-९५, १९९५-९६]

* प्रथम सत्र के लिए पाठ्यक्रम -

[१] एकांकी विधा - पाठ्यपुस्तक "रंग सप्तक"
संपादक - प्रा. ह. गो. शाह
प्रकाशक - महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे.

[२] लेखन [अ] पारिभाषिक शब्दावली। [१५० चुने हुए शब्द]
[आ] सरकारी पत्राचार के विविध रूप।

* द्वितीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम

[१] निबंध विधा - निबंधवीथि - उ. म. वि. प्रकाशन, जळगांव.

[२] व्याकरण - हिंदी के प्रयोग में पायी जानेवाली सामान्य अशुध्दियाँ और उन्हें दूर करने के नियमोंकी जानकारी।

[३] अनुवाद - अंग्रेजी या मराठी गद्य खण्ड का हिंदी में अनुवाद।
[गद्यखण्ड लगभग १०० शब्दोंका होगा]

प्रथम और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के लिए संदर्भ ग्रंथ -

[१] आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद
प्रकाशक - भारती - भवन - इलाहाबाद-१.

[२] हिंदी निबंध और रचना - संपादक - रामशकल शर्मा
प्रकाशक - एस. चाँद एण्ड कं. लि., नईदिल्ली.

[३] आवेदन प्रारूप - डॉ. शिवनारायण चतुर्वेदी
प्रका. [illegible] प्रकाशन दरियागंज, दिल्ली.

[४] प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण - प्रा. विराज
प्रकाशक - राजपाल अँड सन्स - कश्मिरी गेट, दिल्ली.

....

तृतीय वर्ष बी. ए. – सामान्य हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

सत्रान्त परीक्षा [एकांकी और लेखन]

पूर्ण अंक ६० समय २ घण्टे

प्रश्न १ : एकांकी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १५

अथवा

एकांकी पर लघुत्तरी ५ प्रश्न, जिनमेंसे ३ के उत्तर अपेक्षित है।

प्रश्न २ : [अ] एकांकी पर संदर्भ व्याख्या – ३ अवतरणों में से २ अवतरणों की व्याख्या अपेक्षित है। अंक १०

[आ] एकवाक्यीय उत्तरवाले ५ प्रश्न। अंक ०५

सभी के उत्तर अपेक्षित।

प्रश्न ३ : एकांकी पर ५ में से ३ विधाओंपर टिप्पणियाँ। अंक १५

प्रश्न ४ : [अ] अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी पर्यायवाची शब्द देकर उनका अलग वाक्यों में प्रयोग करना। ६ शब्दों में से किन्हीं ४ शब्दों का। अंक ०८

[आ] सरकारी पत्राचार का नमूना। २ नमूने पूछे जाएंगे १ नमूना लिखना होगा। अंक ०७

पूर्ण अंक ६०

वार्षिक परीक्षा [निबंध, एकांकी, व्याकरण, अनुवाद।] पूर्ण अंक ६० समय ३ घण्टे।

महत्त्वपूर्ण सूचना : वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रमपर प्रश्न होंगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रमपर ४० प्रतिशत और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर ६० प्रतिशत अंकों के प्रश्न होंगे।

प्रश्न १ –"निबंधवीथि" पर १ दीर्घोत्तरी प्रश्न।

अथवा

निबंधोंपर संक्षिप्त उत्तरवाले ३ प्रश्न। २ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित। अंक १६

प्रश्न २ – [अ] पठित निबंधोंपर संदर्भ व्याख्या ३ में से २ उद्धरणों की व्याख्या अपेक्षित है। अंक १०

[आ] निबंधवीथि पर एक वाक्यीय उत्तरवाले ६ प्रश्न। ६ ही प्रश्नों के उत्तर लिखने है। अंक ०६

प्रश्न ३ – एकांकीपर टिप्पणियाँ। ४ टिप्पणियों में से २ टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। अंक १६

प्रश्न ४ – [अ] सकारण वाक्य शुद्धिकरण। ८ में से ५ वाक्यों को कारण बताकर शुद्ध करके फिरसे लिखना होगा। अंक ०५

[आ] पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी पर्यायवाची शब्द लिखने है। ६ में से ४ ही शब्द। अंक ०६

प्रश्न ५ – [अ] पत्राचार – सहकारी का नमूना। अंक ०८

[आ] अनुवाद – लगभग १०० शब्दों का मराठी या अंग्रेजी गद्यखण्ड का हिंदी अनुवाद। अंक ०८

पूर्ण अंक ०

तृतीय वर्ष बी.ए., हिंदी

हिंदी विशेष ३ : हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रथम सत्र के लिए पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य का इतिहास [रीतिकाल तक]

[१] हिंदी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन तथा नामकरण।

[२] आदिकाल : [क] पृष्ठभूमि – राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

[ख] प्रमुख प्रवृत्तियाँ– विषयगत तथा शैलीगत।

[ग] रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

[घ] गोरखनाथ, चंदबरदाई, विद्यापति तथा अमीर खुसरों का संक्षिप्त परिचय

[३] भक्तिकाल : [च] पृष्ठभूमि – राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक और साहित्यिक।

[छ] भक्तिकाव्य का निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियोंका सामान्य परिचय।

[अ] ज्ञानाश्रयी शाखा – कबीर।

[ब] प्रेममार्गी शाखा – जायसी।

[इ] रामभक्ति शाखा – तुलसीदास।

[ई] कृष्णभक्तिशाखा – सूरदास, मीराँबाई।

[उ] नीतिकाव्यधारा – रहीम।

[४] रीतिकाल– [ट] पृष्ठभूमि – राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक

[ठ] रीतिकाव्य की निम्नलिखित प्रमुख प्रवृत्तियाँ–
[१] रीतिसिध्द [२] रीतिबध्द [३] रीतिमुक्त।

[ड] कवि परिचय – केशवदास, चिंतामणित्रिपाठी, बिहारी, धनानंद तथा भूषण का संक्षिप्त परिचय।

–: तृतीय वर्ष बी.ए., हिंदी :–

हिंदी विशेष ३ : हिंदी साहित्यका इतिहास

द्वितीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य का इतिहास [आधुनिक काल] :– इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कविता उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध आदि विधाओं के अध्ययन का कालखण्ड १९७५ तक रहेगा।

[क] काव्य :– [१] केवल भारतेंदु, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, महादेवी, दिनकर तथा अज्ञेय का साहित्यिक परिचय।

[२] केवल निम्नलिखित साहित्यिक वादों की विशेषताओं का परिचय–छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद।

[३] कामायनी, साकेत, प्रियप्रवास इन कृतियोंका संक्षिप्त टिप्पणीनुमा परिचय।

...४/–

[ख] गद्य

[१] भारतेंदुपूर्व खड़ी बोली गद्य के विकास का सामान्य परिचय।

[२] केवल निम्नलिखित गद्य साहित्यकारोंका साहित्यिक परिचय- भारतेंदु, प्रेमचंद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामकुमार वर्मा तथा जैनेंद्रकुमार।

[३] निम्नलिखित साहित्यिक विधाओंका विकासात्मक अध्ययन उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी तथा निबंध।

[ग] टिप्पणी के लिए कुछ विषय :

(उपयुक्त टिप्पणीनुमा विषयों के अतिरिक्त)

[१] आधुनिक काव्य की राष्ट्रीय धारा।
[२] हिंदी साहित्य के विकास में पत्रिकाओंका योगदान।
[३] महावीरप्रसाद द्विवेदी।
[४] गोदान
[५] हिंदी में रेखाचित्र।

संदर्भ ग्रंथ :

[१] हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
प्रकाशक - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

[२] हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.देवीशरण रस्तोगी
प्रकाशक - राजहंस प्रकाशन मेरठ।

[३] हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
प्रकाशक - माणकचंद बुक डेपो, इंदौर।

[४] हिंदी साहित्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ : डॉ.गोविंदराम शर्मा
प्रकाशक : हिंदी साहित्य संसार, पटना।

[५] हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाबराय।
प्रकाशक- महेंद्र प्रकाशन, साहित्य कुंज, आगरा।

[६] हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : डॉ.रामरतन भटनागर।
प्रकाशक - साथी प्रकाशन, सागर

तृतीय वर्ष बी.ए., / हिंदी विशेष ३

हिंदी साहित्य का इतिहास

" प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन "

सत्रान्त परीक्षा : [हिंदी साहित्य का इतिहास- रीतिकाल-तक] कुल अंक ६०

समय ३ घंटे

प्रश्न १ : आदिकाल पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
आदिकाल पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १५

प्रश्न २ : भक्तिकालपर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
भक्तिकालपर ५ में से ३ विषयोंपर टिप्पणियाँ अंक १५

प्रश्न ३ : रीतिकालपर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
रीतिकालपर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक १५

प्रश्न ४ : संक्षिप्त उत्तरवाले ६ प्रश्न। उनमें से ३ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। तीनों कालों से संबंधित २-२ प्रश्न होंगे। अंक १५

कुल अंक ६०

तृतीय वर्ष बी.ए., हिंदी

हिंदी विशेष ३ : हिंदी साहित्य का इतिहास

"प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन"

वार्षिक परीक्षा

कुल अंक ८० । समय- ३ घण्टे

हिंदी साहित्य का इतिहास [आदिकाल से आधुनिक काल तक]

महत्वपूर्ण सूचना : वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रमपर प्रश्न होंगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रमपर ४० प्रतिशत और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रमपर ६० प्रतिशत अंकों के प्रश्न होंगे।

प्रश्न १ : भारतेंदु युगपर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
द्विवेदी युगपर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १६

प्रश्न २ : आधुनिक हिंदी कविता से संबंध विविध साहित्यिक वादों में से किसी एक वादपर दीर्घोत्तरी प्रश्न।

अथवा

आधुनिक कवियों का साहित्यिक परिचय।
४ में से किन्हीं २ कवियों का साहित्यिक परिचय अपेक्षित है।
अंक १६

प्रश्न ३ : आधुनिक गद्य विधाओं में से २ विधाएँ पूछी जाएँगी।
किसी एक विधा का विकास लिखना होगा। अंक १६

प्रश्न ४ : प्रथम सत्र के लिए निर्धारित तीनों काली के पाठ्यक्रमपर
आधारित ४-में से २ टिप्पणियाँ लिखनी है। अंक १६

प्रश्न ५ : संक्षिप्त उत्तरवाले ६ प्रश्नो में से ४ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
[इन प्रश्नों में से ४ प्रश्न प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर और
२ प्रश्न द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रमपर होंगे।] अंक १६

कुल अंक ८०

तृतीय वर्ष बी.ए., हिंदी

हिंदी विशेष ४ : भाषाविज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबंध।

<u>प्रथम सत्र के लिए पाठ्यक्रम</u>

<u>भाषाविज्ञान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास</u>

[क] <u>भाषा विज्ञान</u>

१. भाषाविज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा की विशेषताएँ।

२. भाषा [अ] विविध रूप - बोली, परिनिष्ठित भाषा
प्रादेशिक भाषा, राजभाषा,
राष्ट्रभाषा।

[आ] "बोली और परिनिष्ठित भाषा" और राजभाषा और राष्ट्रभाषा का पारस्परिक अंतर एवं संबंध।"

३. हिंदी की बोलियो का सामान्य परिचय-
बोलियाँ : ब्रज, अवधी, खड़ी बोली, मारवाडी, मेवाडी, दक्खिनी, और भोजपूरी इनके संबंध में -
भौगोलिक क्षेत्र, साहित्यिक संपदा [लिखित तथा मौखिक] उपबोलियाँ, प्रत्येक बोली की अपनी खास विशेषताएँ आदि बातोंकी जानकारी अपेक्षित.

४. भाषाविकास और उनके प्रमुख वाद :
शारीरिक भिन्नतावाद, भौगोलिक विभिन्नतावाद; सांस्कृतिक विभिन्नतावाद और प्रयत्नलाघव।

५. हिंदी का शब्दसमुह :
उद्गम के आधारपर वर्गीकरण : तत्सम, अर्धतत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों का सोदाहरण परिचय।

[ख] राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास

[१] स्वातंत्र्यपूर्वकालीन राष्ट्रभाषा हिंदी का इतिहास।
[२] स्वातंत्र्योत्तर काल में हिंदी के सांविधानिक स्वरूप का ज्ञान।
[३] संविधान के अनुच्छेद क्रमांक ३४३ से ३५१ का ज्ञान।
[४] राजभाषा अधिनियम १९६३ [संशोधित] का ज्ञान।
[५] राजभाषा अधिनियम १९७६ का ज्ञान

* द्वितीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम :

भाषा विज्ञान तथा निबंध-लेखन

[अ] [१] भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग तथा भाषाविज्ञान की व्याकरण से तुलना।

[२] ध्वनिविज्ञान – ध्वनिविज्ञान की व्याख्या, भाषा ध्वनि की परिभाषा, ध्वनियंत्र और उनकी कार्यप्रणाली [उच्चारणप्रक्रिया], ध्वनिवर्गीकरण के आधार [स्थान और प्रयत्न], स्वरों और ध्वनियोंका वर्गीकरण, ध्वनिगुण।

[३] पदविज्ञान – शब्द, पद, संबंध तत्व और अर्थतत्व।

[४] वाक्यविज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य में पदक्रम, वाक्य विभाजन।
वाक्य विभाजन के अंतर्गत निम्नलिखित विषयोंका अध्ययन अपेक्षित है–
वाक्य विभाजन के आधार –[अ] अन्वय-पक्ष।
[आ] उद्देश- विधेय।
[इ] उपवाक्यीय।

[५] [५] अर्थविज्ञान– शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन का स्वरूप, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण–
[१] बल का अपसरण [२] पीढ़ी परिवर्तन [३] अन्यभाषाओंका प्रभाव लेना, [४] वातावरण में परिवर्तन, [५] नम्रता प्रदर्शन [६] अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग [७] अधिक शब्दों के स्थानपर एक शब्द का प्रयोग [८] एक शब्द के दो रूपोंका प्रचलन [९] व्यंग्य, [१०] आलंकारिक प्रयोग [११] नवीन वस्तुओंका निर्माण [१२] अज्ञान और अनावधानी।

[आ] निबंध – साहित्यिक तथा विचारात्मक निबंध पूछे जाएँ।

संदर्भ ग्रंथ –
[१] सुबोध भाषा विज्ञान – डॉ. पीताम्बर सरोदे।
डॉ. विश्वास पाटील
प्रकाशक : रुचिरा प्रकाशन, पुणे

[२] भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
राधाकृष्ण प्रकाशन– दिल्ली

[३] सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना
प्रकाशक– हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग

[४] राष्ट्रभाषा आंदोलन – श्री. गो. प. नेने
प्रकाशक – महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे.

[५] राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास–
संपादक– श्री गंगाशरण सिंह, गो. प. नेने
प्रकाशक–अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली. ..६/–

तृतीय वर्ष बी.ए., हिंदी विशेष ४

तृतीय वर्ष बी.ए., हिंदी

हिंदी विशेष ४ : भाषाविज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास, निबंध।

* प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन *

सत्रान्त परीक्षा

कुल अंक ६०/ समय २ घंटे

भाषाविज्ञान और राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास

प्रश्न १ : भाषाविज्ञान के प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों में से "दो" पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।
दो प्रश्नों में से १ का उत्तर अपेक्षित। अंक १५

प्रश्न २ : भाषा विज्ञान से संबद्ध विषयों में से एक विषयपर दीर्घोत्तरी प्रश्न।

अथवा

संक्षिप्त उत्तर के ५ प्रश्नों में से ३ प्रश्नों के उत्तर। अंक १५

प्रश्न ३ : राष्ट्रभाषा आंदोलन के इतिहास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।

अथवा

राष्ट्रभाषा आंदोलन से संबंधित ५ में से ३ टिप्पणियाँ। अंक १५

प्रश्न ४ : [अ] दो या तीन वाक्यों में उत्तरवाले ५ प्रश्न।
पाँचों प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। अंक १०

[आ] एक वाक्यीय उत्तरवाले ५ प्रश्न।
पाँचों प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। अंक ५

कुल अंक ६०

.....

तृतीय वर्ष बी. ए., हिंदी – विशेष ४

प्रश्नप्रश्न का स्वरूप एवं अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा — कुल अंक ८० / समय ३ घण्टे।

भाषाविज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास और निबंध

महत्त्वपूर्ण सूचना :- वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रमपर प्रश्न होंगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रमपर ४० प्रतिशत और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रमपर ६० प्रतिशत अंकों के प्रश्न होंगे।

प्रश्न १ : भाषा विज्ञान के द्वितीय सत्र के विषयों में से दो विषयों पर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न। एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। अंक १६

प्रश्न २ : भाषाविज्ञान के द्वितीय सत्र के विषयों में से एक विषयपर दीर्घोत्तरी प्रश्न।

अथवा

भाषाविज्ञान के द्वितीय सत्र के विषयोंपर ४ प्रश्न जिनमें से २ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। अंक १६

प्रश्न ३ : प्रथम सत्र के पाठ्यक्रमपर ४ में से २ टिप्पणियाँ। अंक १६
[राष्ट्रभाषा आंदोलन के इतिहास को छोडकर।]

प्रश्न ४ : [अ] दो या तीन वाक्यों में उत्तरवाले ५ प्रश्न।
पाँचों प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित।
[द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रमपर आधारित] अंक १०

[आ] एक वाक्यीय उत्तरवाले ६ प्रश्न।
६ : हो प्रश्नोंके उत्तर अपेक्षित। अंक ६

प्रश्न ५ : निबंध – साहित्यिक एवं विवेचनात्मक विषयोंपर निबंध।
निबंध के ५ विषयों में से एक विषय राष्ट्रभाषा आंदोलन से संबंधित हो। अंक १६

कुल अंक ८०

...